सांध्य दैनिक
4PM

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके हैं कि हम एक दूसरे के हैं।

-मदर टेरेसा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 85 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 1 मई, 2026

आरसीबी को हरा जीटी की तालिका में... 7 | गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव... 3 | महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी व मंदी... 2

पश्चिम बंगाल में जागते रहो...

नजरें चौकन्नी ड्यूटी निराली टीएमसी कर रही ईवीएम की रखवाली

ममता बनर्जी ने संभाली कमान

- तृणमूल कांग्रेस का धरना खुदीराम अनुशीलन केंद्र स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ के आरोप
- कोलकाता में स्ट्रॉन्ग रूम को लेकर विवाद तेज
- चुनाव आयोग ने मांगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में अब बारी ईवीएम रखवाली की है। एसआईआर से लेकर मतदान तक की लड़ाई लड़ चुके टीएमसी लड़को ने स्ट्रांग रूम की निगरानी की ड्यूटी संभाल ली है। सीएम ममता बनर्जी ने आक्रामक तेवरों के साथ बयान दिया है कि वह मर जाएंगी लेकिन ईवीएम को लुटने नहीं देंगी।

गौरतलब है कि मतदान के बाद से ही टीएमसी कार्यकर्ता लगातार इस बात का संदेह जता रहे हैं कि स्ट्रांग रूम में सबकुछ सेफ नहीं है। उनके इस संदेह को खुदीराम अनुशीलन केंद्र से आई ईवीएम टैमपरिंग की तथाकथित खबर ने चिंगारी का रूप दे दिया और बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ता आमने सामने आ गये।

भाजपा नेताओं ने टीएमसी के आरोपों को सिरे से खारिज किया

हालांकि, भाजपा नेताओं ने टीएमसी के आरोपों को सिरे से खारिज किया। मानिकतला से भाजपा उम्मीदवार तापस रॉय ने कहा कि यह सब सिर्फ अफवाह है और हार की आशंका के चलते टीएमसी इस तरह के आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम में तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है और बिना अनुमति कुछ भी संभव नहीं है। एंटाली से बीजेपी उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल ने भी टीएमसी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों की मौजूदगी के कारण ही राज्य में शांतिपूर्ण मतदान संभव हो पाया और रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है और अब ड्रामा कर रही है।

आमने-सामने बीजेपी-टीएमसी

कोलकाता में स्ट्रॉन्ग रूम और पोस्टल बैलेट की प्रक्रिया को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि स्ट्रॉन्ग रूम को समय से पहले खोला गया और अंदर कुछ लोग काम कर रहे थे, जिसकी जानकारी राजनीतिक दलों को नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उनकी टीम सुबह तक वहां मौजूद थी, लेकिन प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता नहीं बरती गई। इसी मुद्दे पर टीएमसी नेता शशि पांजा ने भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि अज्ञात लोग पोस्टल बैलेट संभाल रहे हैं और यह स्पष्ट नहीं किया गया कि अंदर क्या कार्य चल रहा है। उन्होंने यह भी पूछा कि जब स्ट्रॉन्ग रूम को उम्मीदवारों की मौजूदगी में सील किया गया था, तो उसे किस आधार पर खोला गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कथित मौजूदगी को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया। खबरों में कहा गया कि वह कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम परिसर में मौजूद थीं। इस पर विपक्ष ने सवाल उठाए। बीजेपी से जुड़े वकील सूर्यनिल दास ने आरोप लगाया कि किसी उम्मीदवार का लंबे समय तक स्ट्रॉन्ग रूम परिसर में रहना असंवैधानिक है।

बहुस्तरीय सुरक्षा की समीक्षा

चुनाव आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। आयोग का कहना है कि सभी स्ट्रॉन्ग रूम बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत हैं और उनकी निगरानी सीसीटीवी के जरिए लगातार की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि चुनाव के बाद इस प्रकार का अविश्वास लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चुनौती बन सकता है। जहां एक ओर राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर सतर्कता बरत रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह स्थिति संस्थाओं पर भरोसे की भी परख रही है। फिलहाल, नतीजों से पहले का यह दौर बंगाल में राजनीतिक तनाव का नया चरण बनकर उभरा है, जहां जनादेश सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी और उसे लेकर उठ रहे सवाल-दोनों समानांतर चल रहे हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने लिया संज्ञान

इस पूरे विवाद पर भारत निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लिया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि मामले की जानकारी आयोग को दे दी गई है और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है। कोलकाता उत्तर की जिला निर्वाचन अधिकारी स्मिता पांडे ने स्पष्ट किया कि स्ट्रॉन्ग रूम से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं नियमों के तहत पूरी की गई हैं। उन्होंने बताया कि मतदान के बाद ईवीएम को उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की मौजूदगी में सील किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रक्रिया को लेकर विवाद हो रहा है, वह दरअसल पोस्टल बैलेट को अलग करने की वैधानिक प्रक्रिया का हिस्सा है। यह कार्य पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार किया जा रहा था और इसकी जानकारी राजनीतिक दलों को ईमेल के जरिए दे दी गई थी। इस बीच, कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में भाजपा समर्थकों और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच तनावपूर्ण माहौल की खबरें भी सामने आई हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ता स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर निगरानी कर रहे हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका जता रहे हैं। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन ने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी व मंदी' पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी भाजपा : अखिलेश यादव

कमर्शियल गैस के दाम बढ़ाने पर सपा ने भाजपा को घेरा

सपा प्रमुख बोले- भाजपाईयों ने बहुत एहसान कर दिया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी को लेकर सियासी बवाल मच गया है। सपा ने इसको लेकर भाजपा पर करारा प्रहार किया है। सपा चीफ अखिलेश ने कहा कि ये 7 रुपये कम करके ये बीजेपी वाले किस पर एहसान कर रहे हैं।

बता दें भारत में एलपीजी कमर्शियल सिलेंडर (19 किग्रा) और 5 किलो वाले एलपीजी के दाम में इजाफा हुआ है, अब 1 मई 26 से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये और 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 261 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-सिलेंडर महंगा नहीं होता, रोटी-थाली महंगी होती है, ये बात वही जानता है जो खुद खरीदकर खाता है, वो नहीं जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। सिलेंडर महंगा करना था तो सीधे 100 रुपये महंगा कर देते. 100 में 7 रुपये कम करके ये भाजपा वाले किस पर एहसान कर रहे हैं? भाजपा 'महंगाई, बेरोज़गारी, बेकारी व मंदी' पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी?

प्रधानमंत्री द्वारा सपा को महिला विरोधी बताया जाने के बयान पर उन्होंने कहा किन का नारा था बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ अच्छे दिन, कल कुछ ही दूर यहां से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रहे और उसके बावजूद कोई इस परिवार से मिलने नहीं आया और जब हमारा आने की बात आई तो तमाम नेता एवं अधिकारी मिलने आने लगे।

शिल्पी के परिजनों से सपा मुखिया ने की मुलाकात

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादवहरदोई पहुंचे, जहां उन्होंने मृतक शिल्पी कुशवाहा के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और परिवार को पांच लाख रुपये का सहायता राशि दी। अखिलेश यादव ने सरकार से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की माँग की और कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने इस घटना को लेकर आज शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट भी किया और कहा कि हरदोई की बेटी के साथ हुए अन्याय के बारे में सोचकर जितना दुख होता था, उससे पीड़ित परिवार और परिजनों से मिलकर उससे भी ज्यादा दुख हुआ, सवाल है कि कब तक ग़रीब नाइंसाफी का शिकार होता रहेगा क्या वर्चस्ववादियों की सत्ता सिर्फ कमजोर पर प्रहार करने के लिए बनी है।

ग़रीब कब तक नाइंसाफ़ी का शिकार होता रहेगा

अखिलेश यादव ने लिखा- 'हरदोई की बेटी' के साथ हुए अन्याय के बारे में सोचकर जितना दुख होता था, उसके पीड़ित परिवार और परिजनों से मिलकर उससे भी अधिक हुआ। सवाल ये है कि ग़रीब कब तक नाइंसाफ़ी का शिकार होता रहेगा। वर्चस्ववादियों की सत्ता क्या सिर्फ़ और सिर्फ़ कमज़ोर पर प्रहार या अत्याचार करने के लिए बनी है।. हमारा मानना है कि सकारात्मक शक्ति वही है जिसमें किसी के रक्षण-पोषण का भाव हो, किसी के उत्पीड़न-शोषण का नहीं। संविधान की शक्ति और पीडीए की सक्रिय एकता में हम सबकी रक्षा करने की अपार शक्ति है. पीडीए अब और भी जुड़ेगा, अपनी लड़ाई ख़ुद लड़ेगा और जीतेगा भी. 'सामाजिक न्याय का राज' जब आएगा तब ही ये अत्याचार-अन्याय मिट पाएगा।

सपा सरकार बनी तो मिलेगी सरकारी नौकरी

इससे पहले पीड़ित परिवार से मिलने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जो घटना हुई है उसके लिए हम सभी दुखी हैं भविष्य में ऐसी घटना कहीं ना हो किसी भी परिवार को ऐसा दु:ख देखने को ना मिले ऐसा दुख सहने को ना मिले हम इस परिवार की पूरी मदद करेंगे कानूनी मदद करेंग, भविष्य में जब भी समाजवादी सरकार बनेगी, हम उनकी और मदद करेंगे, परिवार में किसी को सरकारी नौकरी देनी पड़ेगी तो वह भी दी जाएगी। सपा मुखिया ने कहा कि जिस बेरहमी से शिल्पी को मारा गया उसे कभी नहीं भूला जा सकता है उन दोनों लोगों को सजा मिलेगी और जो उनका साथ दे रहे हैं उन्हें भी सजा मिलनी चाहिए। हम सरकार से मामले की निष्पक्ष जाँच की मांग करते हैं. परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

केवल तीन लोग ही मनमानी कर चला रहे बिहार : तेजस्वी यादव

नेता प्रतिपक्ष बोले- अब इस निरर्थक सरकार से कोई उम्मीद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार विधानसभा चुनाव उपरांत छह महीने में ही राज्य ने दो मुख्यमंत्री देख लिए है। षड्यंत्र से बनी इस पथभ्रष्ट सरकार के प्रथम वर्ष के कार्यकाल का 46.03 फीसदी समय व्यर्थ हो चुका है।

बिहारवासियों के लिए यह अति निंदनीय एव चिंतनीय प्रश्न है कि लगभग 50 फीसदी समय गंवाने के पश्चात भी इस सरकार की प्राथमिकताएं, लक्ष्य, कार्यक्रम और नीतियां स्पष्ट व निर्धारित नहीं है? एक पखवाड़े से केवल तीन लोग ही बिहार चला रहे है। अधूरे मंत्रिमंडल के साथ बिना विमर्श, चिंतन और मनन के यह लोग अलोकतांत्रिक तरीके से मनमर्जी के निर्णय ले रहे है। तेजस्वी यादव ने कहा कि सत्तालोलुप राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन नेताओं ने नैतिकता और लोकलाज की सारी मर्यादाएं त्याग कर प्रदेश को अपनी तृष्णा पूर्ति का अखाड़ा बना लिया है। विगत छह साल में पांच बार और 12 वर्षों में 10 बार सरकार का गठन-पुनर्गठन हुआ है जिसमें चंचल व्यग्र मन के धनी सत्ताकामी नीतीश कुमार ने कारण-अकारण आठ बार मुख्यमंत्री की शपथ ली है। उनकी इस बेसबब क्षणभंगुर विचारधारा और दिग्भ्रमित उत्कंठा ने शासकीय व्यवस्था को अंधेरे में धकेल प्रशासनिक अराजकता, सामाजिक अस्थिरता व अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न कर बिहार को दिशाहीन तथा बिहारवासियों को उपहास का पात्र बनाया है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आज बिहार बेलगाम नौकरशाही, अनियंत्रित भ्रष्टाचार, ध्वस्त विधि व्यवस्था, वित्तीय कुप्रबंधन, अपारदर्शी कार्यशैली, नुशासनहीनता, भ्रष्ट कार्य संस्कृति, गरीबी, पलायन, बेरोजगारी और अविश्वास के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। बिहार के आवाम को अब इस निरर्थक सरकार से कोई उम्मीद शेष नहीं है। सम्पूर्ण देश जानता है कि तंत्र-यंत्र और षड्यंत्र से अर्जित कथित बहुमत से निर्मित यह असंवेदनशील सरकार अपने कार्यकाल में आमजनों की बजाय तंत्र में बैठे लोगों की पोषक बनकर ही कार्य करेगी। नई सरकार के छह महीनों में ही प्रदेशवासी उदासीन हो चुके है। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही 21 वर्षों की एनडीए सरकार की कार्य प्रणाली से बिहार के युवा, महिला, छात्र, किसान, कर्मचारी और व्यापारी अब नाउम्मीद हो चुके है। जो सरकार खुद स्वयं के लिए समस्या है वह जनता का क्या समाधान करेगी?

सपा और भाजपा एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही : इसरार अहमद

» एआईएमआईएम ने सपा मुखिया पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन-एआईएमआईएम के पूर्वांचल अध्यक्ष इसरार अहमद ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और भाजपा एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही हैं। इसरार अहमद ने कहा कि सपा और भाजपा गाहे-बगाहे एक-दूसरे का साथ देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कहा है कि अखिलेश यादव कभी-कभी उनका सहयोग करते हैं।

एआईएमआईएम नेता ने इसे सपा की मिलीभगत की पुष्टि बताया। इसरार अहमद ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, जब सपा की सरकार बनी थी, तब उनके घोषणापत्र में मुसलमानों को 18 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया था। लेकिन सत्ता मिलते ही उन्होंने इस वादे को भुला दिया। आज जब पार्टी चुनाव हारने जा रही है, तब मुस्लिम महिलाओं के नाम पर वोट मांग रहे हैं८एआईएमआईएम नेता ने कहा कि जब लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण बिल पेश किया, तब अखिलेश यादव ने मुस्लिम महिलाओं के नाम पर विरोध किया। लेकिन जब उनकी अपनी सरकार थी, तब मुस्लिमों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश मुसलमानों के जज्बात से खेल रहे हैं और उन्हें सियासी रूप से बेवकूफ बना रहे हैं। समाजवादी पार्टी मुसलमानों के वोटों की खैरात पर पल रही है। जब वोट चाहिए तब मुस्लिम महिलाओं का नाम लेते हैं, लेकिन सत्ता में आकर वादे भूल जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करती है।

बुरके वाली महिला को सीएम कैंडिडेट बनाएं

इसरार अहमद ने अखिलेश यादव को सीधी चुनौती दी, अखिलेश यादव की बेगम डिंपल यादव को सांसद बना सकते हैं, लेकिन एक मुस्लिम महिला को मुख्यमंत्री का चेहरा क्यों नहीं बना सकते?एआईएमआईएम का कहना है कि उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री एक बुरकेवाली महिला होगी। अगर अखिलेश में दम है तो वे भी एक मुस्लिम महिला को ष्टरूकैंडिडेट घोषित करके दिखाएं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आउटसोर्सिंग रोजगार पर खतरा : मायावती

» पूर्व सीएम ने दी मजदूर दिवस की शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने श्रमिक समाज को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देशभर में महिला और पुरुष मजदूरों व श्रमिक समाज की हालत में कोई अपेक्षित सुधार अब तक देखने को नहीं मिला है। ऐसे में 'मजदूर दिवस' के महत्व को आज भी नकारा नहीं जा सकता है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि देश निर्माण में मजदूरों एवं मेहनतकश समाज के लोगों के योगदान को देखते हुए बाबा साहेब ने इन सबके लिए खुश व खुशहाल जीवन की गारंटी सुनिश्चित करने का प्रयास किया था। लेकिन, आउटसोर्सिंग, दैनिक वेतन भोगी तथा हायर एंड फायर की प्रथा से इन सबके सामने रोजगार अनिश्चितताओं का दौर है। इससे उनके परिवार को पालन-पोषण ही नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा-दीक्षा, स्वास्थ्य आदि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की चाह में मजदूरों का भविष्य ही नहीं, बल्कि उनके परिवार का जीवन भी दांव पर लगा है। महिलाओं को सुरक्षित वातावरण न मिल पाना भी चिंता का विषय है। मायावती ने मांग की कि देश के विकास में मजदूर वर्ग की उचित भागीदारी सुनिश्चित हो। बसपा का संघर्ष ऐसे मेहनतकश बहुजनों के हक के लिए ही समर्पित है, और रहेगा।

गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में चल गया दावं

भाजपा की बड़ी जीत, कांग्रेस व आप को झटका

- जोश में सत्ता पक्ष, कम नहीं पड़ा विपक्ष का उत्साह
- कई वार्डों में आप ने भाजपा को दी टक्कर
- कांग्रेस को विस चुनाव से पहले बदलनी होगी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। जैसा की चर्चा थी बीजेपी ने 26 के गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में जोरदार प्रदर्शन किया है। 27 के सेमीफाइनल माने जाने वाले चुनावों में बीजेपी ने कांग्रेस और आप को करारा झटका दिया है। हालांकि सियासी पंडित कहते हैं लोकल बॉडीज चुनाव के मुद्दे विधान सभा चुनाव से अलग होते हैं इसलिए अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। हालांकि बीजेपी को कई जगह झटका भी लगा है।

उधर विपक्ष में कहा है कि वह निराश नहीं है और आने वाले अगले चुनावों में फिर पूरे जोश से भाजपा को पटखनी देने को तैयार है। गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी ने अपने अभेद्य गढ़ गुजरात में न सिर्फ धुआंधार प्रदर्शन किया है बल्कि गोधरा में पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल किया है। इतना ही नहीं इन चुनावों में गोधरा नगर पालिका के इतिहास में एक और कीर्तिमान बना है। गोधरा शहर के 100 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले इलाके से पहली बार किसी हिंदू महिला ने जीत हासिल की है। गोधरा का वार्ड 7 पूरा मुस्लिम इलाका है लेकिन यहां से निर्दलीय उम्मीदवार अपेक्षा सोनी ने विजय हासिल की है। आजादी के बाद से गोधरा में सांप्रदायिक दंगों का इतिहास है। 2002 के दंगों गोधरा कांड के बाद हुए थे।

पूर्व बीजेपी के दिग्गज नेता मधु श्रीवास्तव की बेटी दीपा श्रीवास्तव जीतीं

मधु श्रीवास्तव की बेटी दीपा श्रीवास्तव वार्ड 14 से नगर निगम पहुंची हैं। उनके साथ कांग्रेस के एक अन्य उम्मीदवार तीर्थ ब्रह्मभट्ट भी विजयी रहे। ऐसे में पिछली बार जिस वार्ड 14 में सभी चारों सीटों पर बीजेपी ने कब्जा जमाया था। वहां पर मधु श्रीवास्तव ने झटका दे दिया। पिछले चुनावों तक मधु श्रीवास्तव बीजेपी में ही थे। दोनों भाईयों ने नगर निगम के वार्ड 15 में भी जोर लगाया था लेकिन वार्ड 15 में बीजेपी से बागवत करके पूरे गुजरात की सुर्खियों में आए आशीष जोशी ही जीत पाए। इस वार्ड से उनके साथ मधु श्रीवास्तव की दूसरी बेटी नीलम मैदान में थीं लेकिन वह हार गई।

एआईएमआईएम से छीनी सत्ता

पिछले चुनावों में 44 सीटों वाली गोधरा नगर पालिका में एआईएमआईएम ने 8 सीटों पर चुनाव लड़ा था। तब एआईएमआईएम ने 7 सीटों पर जीत हासिल की थी, 17 निर्दलीय पार्षदों के समर्थन से एआईएमआईएम ने गोधरा नगर पालिका पर कब्जा कर लिया था। एआईएमआईएम को समर्थन देने वाले 17 निर्दलीय में से 5 हिंदू पार्षद थे। गोधरा नगर पालिका में बहुमत हासिल करने के लिए कुल 23 पार्षदों की जरूरत होती है, लेकिन ओवैसी की पार्टी 24 सदस्यों के साथ सत्ता काब्जाई थी। तब बीजेपी ने सबसे ज्यादा 18 सीटें जीतने के बाद विपक्ष में बैठी थी।

गोधरा में कांग्रेस को नहीं खोलने दिया खाता

गुजरात के पंचमहाल जिले में गोधरा शहर आता है। गोधरा नगरपालिका में कुल 11 वार्ड हैं। इन वार्ड में कुल सीटों की संख्या 44 है। बीजेपी ने स्थानीय निकाय चुनावों में 27 सीटें जीतकर पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल किया है। गोधरा में कई बार दंगे हुए लेकिन इस बार मुस्लिम समाज ने मुझ पर भरोसा करके मुझे चुनाव जितवा के अब एक कौमी एकता की मिसाल कायम की है, जो एक सराहनीय काम है। जिन लोगों ने मुझे वोट देकर मुझ पर विश्वास रखा है मैं जरूर उनके इलाकों में जो भी प्राथमिक दिक्कतें होंगी, उन्हें पूरा करने की जिम्मेदारी को निष्ठा से निभाऊंगी। गोधरा नगरपालिका में बीजेपी ने 11 वार्डों से कुल 44 उम्मीदवारों में केवल 7 वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारे थे। 11 वार्डों के 44 उम्मीदवारों में से बीजेपी के 27 उम्मीदवार जीते, जबकि 17 निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। ऐसे कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। इस तरह बीजेपी ने पहली बार स्पष्ट बहुमत के साथ गोधरा नगर पालिका में सत्ता हासिल की। गोधरा विधानसभा सीट पर बीजेपी पहले से काबिज है। 2002 गुजरात दंगों के बाद से गोधरा राज्य के सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में है। 2021 के चुनावों में असुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM ने बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया था।

चाय बनाने वाले रमेशभाई बने पार्षद

गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी प्रचंड जीत हासिल की है। बीजेपी ने चार बड़े शहरों समेत पुरानी कुल सात नगर निगमों पर जहां कब्जा बरकरार रखा तो वहीं पहली बार जिन नौ नगर निगम के चुनाव हुए। उनमें भी भगवा लहराया। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह जनपद मेहसाणा में जीते रमेशभाई भील की चर्चा खूब रही है। वह पिछले 28 सालों से बीजेपी दफ्तर चाय बनाने का काम कर रहे थे, लेकिन इन चुनावों में उन्होंने बीजेपी कैंडिडेट के तौर पर जीत हासिल की। रमेशभाई भील मंगलवार को आए नतीजों के बाद पार्षद बन गए। पिछले साल राज्य सरकार ने महेसाणा नगर पालिका को एलीवेट करके नगर निगम का दर्जा दिया था। पीएम मोदी वडनगर महेसाणा जिले में ही आता है। जानकारी के अनुसार रमेशभाई भील (50) मेहसाणा भाजपा कार्यालय में चपरासी के रूप में कार्यरत थे। उनकी मेहनत और लगन अब रंग लाई है। अब वह मेहसाणा नगर निगम में पार्षद के तौर पर बैठेंगे। रमेशभाई भील को मेहसाणा में 4000 से ज्यादा वोटों से पार्षद की सीट जीत ली। रमेशभाई भील पार्टी दफ्तर में आने वालों लोगों के साथ वहां बैठने वाले नेताओं के लिए चाय बनाते थे। इसके साथ उन्हें वह चाय भी देते थे। 26 के गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी ने रमेशभाई पर भरोसा जताया और उन्हें वार्ड नंबर 13 से अपना उम्मीदवार बनाया था।

उत्तर भारतीयों में लोकप्रिय हैं श्रीवास्तव बंधु

चंद्रकांत श्रीवास्तव और मधु श्रीवास्तव गुजरात के वडोदरा में उत्तर भारतीयों के बीच खासे लोकप्रिय हैं। मधु श्रीवास्तव दो बार पार्षद, एक बार निर्दलीय विधायक और पांच बार बीजेपी से एमएलए बन चुके हैं। पार्षदों के प्रति नाराजगी को भांपकर 44 टिकट काटे। संघ और साफ छवि रखने वालों को मैदान में उतारा। फंसे हुए वार्ड में डिप्टी सीएम, सीएम और अध्यक्ष पहुंचे। शहर अध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश सोनी ने बरकरार रखा रिकॉर्ड। अंतिम वक्त पर प्रबुद्ध लोगों के साथ इंफ्लूएंसर को जोड़ा।

10वीं बार पार्षद बने चंद्रकात

बड़े शहरों में एंटी इंकबेंसी और निवर्तमान पार्षदों के खिलाफ नाराजगी होने के बाद भी बीजेपी ने जोरदार प्रदर्शन किया। अहमदाबाद में कांग्रेस कुछ ही सीटें बढ़ पाई तो वहीं दूसरी सूरत और वडोदरा में निगम विपक्ष विहीन हो गए, हालांकि वडोदरा में डिप्टी सीएम हर्ष संघवी की व्यूहरचना के बाद भी श्रीवास्तव ब्रदर्स (चंद्रकांत श्रीवास्तव और मुध श्रीवास्तव) ने अपना दम दिखाया। कांग्रेस के टिकट पर वार्ड 16 से चंद्रकांत ने जहां 10वीं बार जीत हासिल की तो वहीं 22 गुजरात विधानसभा चुनावों में बीजेपी द्वारा साइडलाइन किए गए मधु श्रीवास्तव ने दो बेटियों में एक को नगर निगम में एंट्री दिला दी।

कांग्रेस को झटका बीजेपी ने बचाया गढ़

वडोदरा में कांग्रेस ने काफी जोर लगाया था। शहर अध्यक्ष ऋत्विक जोशी की अगुवाई में कांग्रेस ने बीजेपी ने टक्कर तो ली लेकिन सीटों की कुल संख्या में कांग्रेस पीछे रह गई। पिछली बार कुल 76 सीटों में कांग्रेस को सात सीटें मिली थीं। इस बार कांग्रेस के खाते में सिर्फ 6 सीटें आई हैं। कांग्रेस से बगावत करके निर्दलीय लड़े हरीश पटेल जीत गए। ऐसे में बीजेपी ने 69 सीटें जीतीं। 2021 में भी बीजेपी ने इतनी ही सीटें जीतीं। वार्ड 10 में मास्कमैन के प्रोटेस्ट के बाद भी नितिन डोंगा चुनाव जीत गए। वडोदरा में सबसे अप्रत्याशित परिणाम वार्ड 1 के रहे। यहां पर कांग्रेस के बड़े नेता नरेंद्र रावत की पत्नी अमी रावत की सनसनीखेज हार हुई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कृत्रिम मेधा के साइड इफेक्ट्स पर भी हो चर्चा

> **तकनीकी सुरक्षा और स्वायत हथियारों का मुद्दा कृत्रिम मेधा के सबसे भयावह संकटों में से एक है। लीथल ऑटोनॉमस वेपन्स सिस्टम्स या स्वायत घातक हथियार प्रणालियों का विकास वैश्विक शांति के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है।**

आजकल हर तरफ एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की ही बाते छाई हैं। जहां यह आधुनिक तकनीकी समाज व मनुष्य का लाभ पहुंचाने में कारगर हे वही इसके साइड इफेक्ट भी हैं। यहां जंहा पर्यावरण को प्रभावित करेगा वहीं आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो कृत्रिम मेधा का प्रभाव रोजगार के बाजारों पर अत्यंत गहरा और बहुआयामी होने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की भविष्य की नौकरियों से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के कारण अगले दशक में करोड़ों नौकरियों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। जहाँ एक ओर यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और नए प्रकार के व्यवसायों को जन्म देने की क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह निम्न और मध्यम कौशल वाले श्रमिकों के लिए एक बड़ा विस्थापन संकट भी पैदा कर रही है। क्या हमारी शिक्षा प्रणालियां और कौशल विकास कार्यक्रम इस गति से परिवर्तित हो रहे हैं कि वे भविष्य की कार्यशक्ति को इस नई व्यवस्था के अनुकूल बना सकें? यह प्रश्न अनुत्तरित है क्योंकि विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन आज भी एक कठोर वास्तविकता है। जब तक हम एक समावेशी तकनीकी ढांचे का निर्माण नहीं करते, तब तक कृत्रिम मेधा केवल वैश्विक असमानता को बढ़ाने का एक माध्यम बनकर रह जाएगी।

इसके अतिरिक्त, एआई मॉडल्स के भीतर मौजूद एल्गोरिथमिक बायस या पक्षपात एक और बड़ा संकट है, जो ऐतिहासिक डेटा के आधार पर लिंग, जाति और राष्ट्रीयता के प्रति पूर्वाग्रहों को अनजाने में सुदृढ़ कर रहा है। तकनीकी सुरक्षा और स्वायत्त हथियारों का मुद्दा कृत्रिम मेधा के सबसे भयावह संकटों में से एक है। लीथल ऑटोनॉमस वेपन्स सिस्टम्स या स्वायत्त घातक हथियार प्रणालियों का विकास वैश्विक शांति के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है। जब युद्ध के मैदान में जीवन और मृत्यु का निर्णय एक एल्गोरिदम द्वारा लिया जाने लगेगा, तो मानवीय उत्तरदायित्व और युद्ध के अंतरराष्ट्रीय कानूनों का क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र और कई वैश्विक मानवाधिकार संगठनों ने इस पर नियंत्रण की अपील की है, लेकिन हाशक्तियों के बीच एआई की प्रतिस्पर्धा ने एक नई डिजिटल शीत युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है। यह तकनीकी रेस हमें एक ऐसे बिंदु पर ले जा सकती है जहाँ नियंत्रण की लगाम मानव के हाथ से निकलकर मशीनों के पास चली जाए। सुरक्षा का अर्थ केवल भौतिक हथियारों से नहीं है, बल्कि डेटा की गोपनीयता और एल्गोरिदम के माध्यम से किए जाने वाले बिहेवियरल मैनिपुलेशन या व्यवहारिक हेरफेर से भी है। बड़ी तकनीकी कंपनियाँ जिस प्रकार डेटा का एकत्रीकरण कर रही हैं, वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता को एक संकीर्ण घेरे में बंद कर रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आया राम-गया राम की संस्कृति और संवैधानिक पाप

विश्वनाथ सचदेव

लगभग साठ साल पुराना किस्सा है, जिसे भारतीय राजनीति के संदर्भ में चटखारे ले-लेकर सुना-सुनाया जाता है। हरियाणा विधानसभा में एक विधायक थे गया लाल। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे वे। एक दिन अचानक उन्हें इलहाम हुआ कि अब कांग्रेस पार्टी उनके अनुकूल नहीं है। वे कांग्रेस पार्टी छोड़कर जनता पार्टी के साथ जुड़ गये। कुछ घंटे बाद उन्हें लगा उनका यह निर्णय सही नहीं है। वे फिर अपने घर यानी कांग्रेस पार्टी में लौट आये। फिर अचानक उनके ज्ञान-चक्षु खुल गये, उन्हें समझ आया कि उनका सवेरे वाला निर्णय ही सही था। वे कांग्रेस से फिर जनता पार्टी में चले गये। एक ही दिन में तीन बार अपनी पार्टी बदलकर इन विधायकजी ने भारतीय राजनीति को एक नया मंत्र भी दे दिया और यह भी समझा दिया कि 'जनता की सेवा करने के लिए' राजनीति में इस तरह के निर्णय लेने पड़ते हैं! पर उनके अपने साथी यह मानने को तैयार नहीं थे कि किसी राजनेता को जनता की सेवा के लिए पार्टी बदलनी जरूरी लग सकती है।

वे यह मानते थे कि इस तरह के निर्णय अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के चलते नेता लोग लेते हैं। गया लाल नामक उन विधायक जी के नाम पर देश की राजनीति को एक मंत्र मिल गया- आया राम, गया राम! साठ साल पहले शुरू हुई राजनीतिक स्वार्थ की यह प्रवृत्ति तब एक अपवाद थी, अब यह जैसे आम बात है। नवीनतम उदाहरण कल तक 'आम आदमी पार्टी' के प्रखर नेता कहलाने वाले सांसद राघव चड्ढा का है। आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में थे राघव चड्ढा। पार्टी के कोषाध्यक्ष भी रह चुके थे। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा की सदस्यता भी दी। फिर उनके ज्ञान-चक्षु खुल गये। उन्हें लगा जिस भारतीय जनता पार्टी को वे 'अनपढ़ गुंडों की पार्टी' मानते थे वह वास्तव में भारतीयों की सच्ची सेवा करने वाली पार्टी है और उन्होंने घोषणा कर दी कि वह आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। यह इलहाम अकेले राघव चड्ढा को ही नहीं हुआ, वे अपने साथ आम आदमी पार्टी के छह सांसदों को भी ले गये।

राज्यसभा के सभापति ने बिना कुछ देर किये इन्हें सदन में भाजपा के सदस्य के रूप में मान्यता भी दे दी है। राघव चड्ढा की पुरानी पार्टी यदि चाहे तो वह 'अपने सदस्यों' को इस कार्रवाई और भाजपा में उनके 'विलय' को चुनौती दे सकती है। पर दल-बदलुओं का अबतक का इतिहास तो यही बताता है कि भले ही उच्चतम न्यायालय दल-

बदल की इस प्रक्रिया को 'संवैधानिक पाप' की संज्ञा दे दे, पर इन कथित पापियों को कोई सजा मिलती नहीं! 'दलबदलुओं' को सजा देने की कोशिशों में एक कोशिश दल-बदल के खिलाफ कानून बनाना भी था। वर्ष 1985 में देश की संसद में एक संशोधन पारित कर के दल-बदल की इस लगातार बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाये गये। तय हुआ कि पार्टी के दो तिहाई सदस्य मिलकर यदि किसी दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं, तभी इसे 'विलय' माना जायेगा, अन्यथा ऐसा करने वाले नेता की सदस्यता निरस्त मानी जायेगी। पर पेच यह रह गया कि दो-तिहाई संख्या पार्टी की या संसदीय दल की? इसमें एक गांठ यह भी है कि विलय का निर्णय सदन का पीठासीन अधिकारी करता है। इसका मतलब यह है कि सदस्य जब चाहे सत्तारूढ़ पार्टी का 'आया राम' बन सकता है। सवाल यह उठता है कि कोई आया राम या गया राम क्यों अपनी मूल पार्टी छोड़कर किसी अन्य पार्टी में शामिल होता है? क्या सचमुच यह कोई नीतिगत निर्णय होता है या फिर इसके पीछे राजनीतिक स्वार्थ होते हैं? भारत के दल-बदलुओं का इतिहास बताता है कि लगभग शत प्रतिशत राजनीतिक स्वार्थ होता है। अक्सर इस आशय के आरोप भी लगते हैं कि अपने अपराधों के पाप धोने, या फिर सत्तारूढ़ दल के हितों को दृष्टि में रखकर भी 'आयाराम गयाराम' का यह खेल होता है। यह खेल खेलने वालों की आधिकारिक संख्या बतानी तो मुश्किल है, पर ज्ञात तथ्यों के अनुसार 1985 में दल-बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद से अब तक सैकड़ों सांसद और विधायक दल-बदल चुके हैं। कहते हैं कानून बनने से पहले 1967 से 1971 के बीच लगभग 50 प्रतिशत विधायकों ने अपनी पार्टी बदली थी, इसे 'आयाराम, गयाराम' की राजनीति कहा गया।

सन 22 में हमने महाराष्ट्र और गोवा में दल-बदल का यह 'खेला' देखा, इससे दो साल पहले मणिपुर के तीन विधायकों को अयोग्य ठहराया गया था। और अब यह आम आदमी पार्टी का मामला सामने है। निश्चित रूप से यह सारे मामले इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारी राजनीति में सिद्धांतों और नीतियों के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। कभी विधायक या सांसद अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए ऐसा कदम उठाता है और कभी राजनीतिक दल (पढ़िए सत्तारूढ़ पक्ष) अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए दूसरे दलों के सदस्यों को अपने साथ जुड़ने के लिए बाध्य करता है।

तस्वीरों में जिंदगी का हर रंग उकेरने वाले छायाकार

राजेंद्र शर्मा

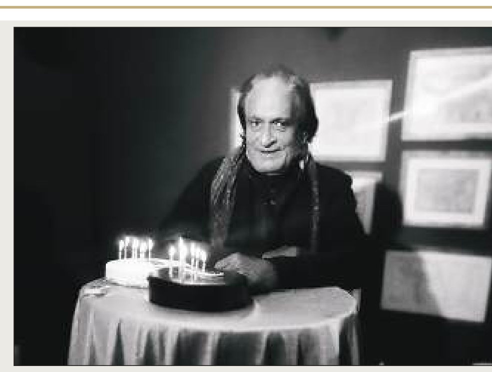

'मौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं, कहीं भी मिल सकते हैं'- हमेशा कैमरा अपने साथ रखने की वजह इस एक पंक्ति में बताने वाले विश्वप्रसिद्ध छायाकार, पद्मश्री से सम्मानित 83 वर्षीय रघु राय गत 26 अप्रैल की सुबह इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। रघु राय के भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं रहने की दु:खद मनोस्थिति में यह लेख लिखा जा रहा है किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे अदृश्य रूप से हमेशा बने रहेंगे। उनकी उपस्थिति उनकी हर क्लिक की गयी हर तस्वीर के उस फ्रेम में है जहां सत्य है, हर उस प्रकाश में जहां करुणा है, हर उस कैमरे में जहां ईमानदारी है।

बिना किसी प्रशिक्षण अपने जीवन की पहली तस्वीर एक गधे की क्लिक करने वाले रघु राय ने उपकरण मात्र माने जाने वाले कैमरे को समर्पण, सूझबूझ और सतत साधना के बल पर संवेदना, सत्य और समय का ऐसा साक्षी बनाया कि उनकी क्लिक की गयी तस्वीरें देश के जनमानस में हमेशा गहरे छायी रहेंगी। दिल्ली की गलियों से लेकर हिमालय की ऊंचाइयों तक, राजनीति से लेकर जनजीवन तक, और अध्यात्म से लेकर मानवीय संघर्ष तक उनकी तस्वीरें जनता की सामूहिक याददाश्त है। पंजाब के एक आम नौकरीपेशा परिवार के रघु राय ने आजीविका के लिए सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके एक साल सरकारी नौकरी भी की। रचनात्मक सोच के चलते सरकारी नौकरी में तयशुदा ढर्रे पर चलना मुनासिब न समझा तो नौकरी छोड़ अपने बड़े भाई के पास दिल्ली आये। संयोग से बड़े भाई से कैमरा लेकर भाई के मित्र के साथ उनके गांव गये। गांव में गधे के एक छोटे बच्चे की तस्वीर लेने की कोशिश की तो वह भाग गया। रघु राय ने उसका पीछा किया। थक-हारकर जब वो बच्चा रुका तो तुरंत तस्वीर खींच ली। यही तस्वीर वर्ष 1965 में लंदन टाइम्स में छपी तो सिविल इंजीनियर रघु राय रातोंरात स्टार फोटोग्राफर रघु राय हो गये, प्रारब्ध शायद इसी को कहते हैं।

छह दशक तक रघु राय और कैमरा एक-दूसरे के पर्याय बने रहे, काम के दम पर इज्जत-शोहरत, इनाम-इकराम उनकी झोली में स्वत: आते रहे लेकिन काम करने की जिजीविषा अंतिम सांस तक रही। इन पंक्तियों के लेखक के मन-मस्तिष्क में 2023 की वे स्मृतियां घुमड़ रही हैं, जब रघु राय ने अपने पचास से ज्यादा सालों से मित्र हिम्मत शाह का 90वां जन्म दिन नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में मनाया था। नब्बे के हिम्मत शाह व अस्सी के रघु राय- दोनों के पास उम्र के इस दौर में भी काम करने की इतनी योजनाएं कि बीस साल भी कम पड़ें। दोनों युवाओं जैसे उत्साह से लबरेज। रघु राय का उपरोक्त कथन 'मौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं, कहीं भी मिल सकते हैं', तीन साल से कम समय में ही उन्हीं पर फिट हो गया। दो मार्च, 2025 को हिम्मत शाह का निधन हो गया और ठीक तेरह माह बाद 26 अप्रैल, 2026 को रघु राय चले गये ।

रघु राय कालजयी फोटोग्राफर के साथ-साथ बेहतरीन इंसान थे। हिम्मत शाह से उनकी दोस्ती उस समय हुई जब हिम्मत शाह के सितारे गर्दिश में थे। हिम्मत शाह का काम कला के बाजार में बिकता नहीं था और फटेहाली में सुबह-शाम खिचड़ी खाकर काम चलाते थे जबकि उस समय रघु राय स्थापित हो चुके थे। रघु राय की दृष्टि ने हिम्मत शाह के भीतर के कलाकार और बेहतर इंसान को जान लिया था। दोस्ती परवान चढ़ी और ताउम्र बनी रही। हिम्मत शाह के अनन्य प्रशंसक बिहार म्यूजियम के डायरेक्टर अंजनी कुमार सिंह ने 2019 में उनका जन्मदिन मनाने का फैसला किया व हिम्मत शाह से पूछा कि किस-किस को बुलाना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि रघु राय और ज्योति शाह। वजह दोस्ती तो थी ही, उससे भी बड़ी वजह थी कि हिम्मत शाह मानते थे कि आजादी के 25-30 साल बाद के बदलते भारत, ग्रामीण भारत के दस्तावेजीकरण का काम रघु राय और ज्योति शाह ने जिस शिद्दत से किया, वह उन्हें नमस्कार करते हैं। हिम्मत शाह और रघु राय जब साथ होते तो उनके पास ढेर-सी योजनाओं के अलावा संस्मरणों की पूरी पोटली होती। अपने फन के शीर्ष पर पहुंच कर भी अहंकार से कोसों दूर रघु राय की सौम्यता व मुस्कुराता चेहरा पूर्ववत बना रहा।

वह हर क्षण कैमरे के लैंस के साथ बतियाते-से लगते जैसे हर क्षण को सिर्फ देख नहीं रहे बल्कि उसे उसकी सम्पूर्ण संवेदना संग जी रहे हैं। वाराणसी के ख्यात फोटोग्राफर रघु राय को याद करते हुए कहते हैं कि लगभग चार दशक तक उन्होंने काशी को अपने कैमरे में बार-बार उतारा। घाटों की भोर, गलियों की धड़कन, साधुओं की समाधि, उत्सवों का उल्लास, श्मशान की निस्तब्धता और जनजीवन की सहजता, काशी के हर रंग को उन्होंने अमर कर दिया। कैमरे के पीछे एक तपस्वी की तरह कार्य करने वाले रघु राय वस्तुत: एक व्यक्ति नहीं ,विश्वविद्यालय थे। उन्होंने सिखाया कि अच्छा फोटोग्राफर बनने से पहले अच्छा मनुष्य बनना जरूरी है। 'पहले देखना सीखो, फिर क्लिक करना।' उनका कैमरा आंख से पहले हृदय से संचालित होता है। नि:संदेह, रघु राय जैसा दिव्य दृष्टि संपन्न फोटोग्राफर सदी में एक ही पैदा होता है। रघु राय का इस फानी दुनिया से जाना अपूरणीय क्षति कहने भर के लिए नहीं, असल में इस क्षति की भरपाई कभी नहीं हो सकती।

कम सामग्री में घर पर बनाएं स्ट्रीट-स्टाइल मिक्स पकौड़े

जब अचानक कुछ चटपटा खाने का मन करे या मेहमान बिना बताए आ जाएं, तब मिक्स पकौड़े सबसे आसान और पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं। मिक्स पकौड़े कई तरह की सब्जियों से बनते हैं, जिससे ये स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। खास बात ये है कि इन्हें बनाने में ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं होती और ये सिर्फ 15 मिनट में तैयार हो जाते हैं। गरमा-गरम मिक्स पकौड़े चाय के साथ खाने का मजा ही कुछ और होता है। बेसन और देसी मसालों से बने ये पकौड़े बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं। घर में मौजूद साधारण सब्जियों से तैयार होने वाली यह रेसिपी हर उम्र के लोगों को पसंद आती है और इसे कोई भी आसानी से बना सकता है।

सामान

बेसन – 1 कप, प्याज– 1 बारीक कटा, आलू– 1 छोटा पतले स्लाइस में, फूल गोभी– आधा कप, मिर्च, पनीम, हरी मिर्च – 1 बारीक कटी, अदरक – 1 छोटी चम्मच कद्दूकस, हल्दी – आधा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर –1 चम्मच, अजवाइन – आधा चम्मच, नमक– स्वादानुसार, पानी – आवश्यकतानुसार, तेल – तलने के लिए।

विधि

सबसे पहले एक बड़ा और सूखा बर्तन लें। इसमें 1 कप बेसन डालें और उसके बाद प्याज, आलू, गोभी, पनीर, मिर्च या अन्य उपलब्ध कटी हुई सब्जियां डालें। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, हल्दी, लाल मिर्च, अजवाइन और स्वादानुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह सूखे हाथ या चम्मच से मिला लें, ताकि मसाले सब्जियों में बराबर फैल जाएं। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए बेसन को मिलाएं। ध्यान रखें कि एक साथ ज्यादा पानी न डालें, वरना घोल पतला हो जाएगा। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि सब्जियां उसमें अच्छी तरह लिपटी रहें और टपकें नहीं। चाहें तो कुरकुरापन बढ़ाने के लिए एक चुटकी बेकिंग सोडा या चावल का आटा मिला सकते हैं। अब कढ़ाही में पर्याप्त तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। तेल सही गरम है या नहीं, यह जांचने के लिए एक बूंद घोल डालें। अगर वह तुरंत ऊपर आ जाए तो तेल तैयार है। अब चम्मच या हाथ से थोड़ा-थोड़ा घोल लेकर तेल में डालें। एक बार में ज्यादा पकौड़े न डालें। पकौड़ों को पलट-पलट कर मध्यम आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। तैयार पकौड़ों को टिश्यू पेपर पर निकाल लें और हरी चटनी या सॉस के साथ गरमा-गरम परोसें।

मूंगफली से भी बनाएं सब्जी

स्वाद चाहिए और सेहत भी चाहिए, वो भी बहुत कम खर्च में तो मूंगफली को अपने खाने में शामिल करें। अब आप कहेंगी, आप पहले से ही मूंगफली का सेवन करती हैं, कभी मूंगफली की चटनी के रूप में तो कभी रोस्टेड मूंगफली के तौर पर एक स्नैक्स के रूप में। लेकिन सच ये है कि मूंगफली एक पूरी सब्जी बनने की काबिलियत रखती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और ग्रामीण उत्तर भारत में मूंगफली की सब्जी पीढ़ियों से बनती आ रही है। यह एक सादा, पौष्टिक और पेट भर देने वाली रेसिपी है। अगर रोज-रोज की सब्जियों से मन ऊब गया है, तो यह रेसिपी रसोई में ताज़ी हवा बनकर आएगी। मूंगफली प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरपूर होती है। इसका सेवन लंबे समय तक पेट भरा रखती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए फायदेमंद है और बिना ज्यादा मसालों के भी स्वादिष्ट बनता है।

सामग्री

कच्ची मूंगफली (छिली हुई)– 1 कप, प्याज– 1 (बारीक कटा), टमाटर – 1 (पिसा हुआ), लहसुन – 5-6 कलियां, हरी मिर्च – 1 (वैकल्पिक), हल्दी – आधा छोटा चम्मच, धनिया पाउडर– 1 टीस्पून, लाल मिर्च– स्वादानुसार, जीरा – आधा छोटा चम्मच, सरसों का तेल या मूंगफली का तेल – 2 टेबलस्पून, नमक – स्वादानुसार, हरा धनिया – सजाने के लिए।

विधि

सबसे पहले मूंगफली को हल्का उबाल लें या कुकर में 1 सीटी लगा लें। ध्यान रहे मूंगफली गल जाए, लेकिन टूटे नहीं। अब सब्जी का तड़का बनाएं। इसके लिए कढ़ाही में तेल गरम करें। उसमें जीरा डालें। फिर लहसुन और हरी मिर्च डालकर खुशबू आने तक भूनें। अब प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद टमाटर प्यूरी, हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च डालें। मसाला तब तक भूनें जब तक तेल अलग न दिखने लगे। इसमें उबली मूंगफली डालें और हल्का पानी डालकर 8-10 मिनट धीमी आंच पर पकाएं। ध्यान रखें कि ग्रेवी ज्यादा गाढ़ी न रखें। थोड़ी रसीली ही स्वाद बढ़ाती है। नमक डालें, ऊपर से हरा धनिया छिड़कें और गैस बंद कर दें। गरम-गरम बाजरे या ज्वार की रोटी के साथ सर्व करें। बनाते समय लहसुन-प्याज न डालें तो व्रत में भी सेवन कर सकते हैं।

हंसना मना है

पत्नी : शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कही घूमने तक नहीं ले गए.. पति : ठीक है आज घूमने चलेंगे.. शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली : छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति : अरे पगली लोग मरते है यहां आने के लिए।

बेटा : पापा आप शराब मत पिया करो.. पापा : पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा : आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

जितना गौर से लोग टकराने के बाद एक दूसरे को देखते है, उतनी गौर से अगर ये पहले ही देख लें, तो टक्कर ही नहीं होती।

मछली जल की रानी है : इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में ठूस लें तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

कहानी | सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

7 अंतर खोजें

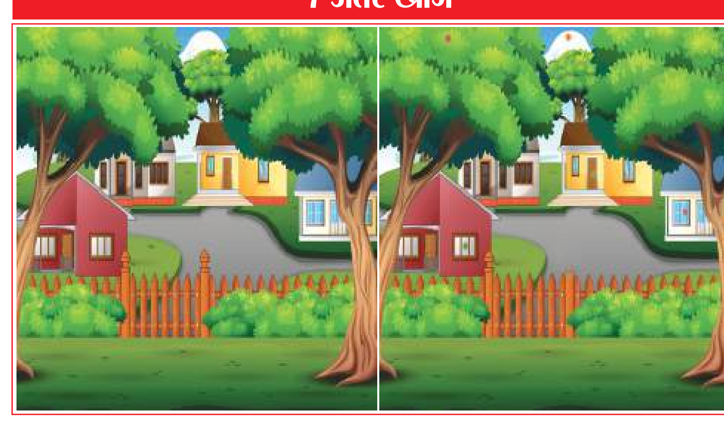

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृषभ – कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है।

मिथुन – पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रमाद से बचें।

कर्क – किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे।

सिंह – व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या – आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। समय अनुकूल है।

तुला – किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक – यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

धनु – आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

मकर – रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

कुम्भ – नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

मीन – लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

ईश्वर पर अटूट विश्वास ने मेरी जिंदगी बदल दीः सुधा

अभिनेत्री और शास्त्रीय नृत्यांगना सुधा चंद्रन ने प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाकर उनसे खास मुलाकात की। इस दौरान सुधा ने अपने परेशानी वाले दिनों को याद किया और उन दिक्कतों से उबरने के लिए ईश्वर का शुक्रिया किया। प्रेमानंद महाराज से मिलने के पल को याद करते हुए सुधा भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, जिस गुरु ने कई साल तक मुझे प्रेरणा दी, उनसे आखिरकार मिलना बहुत खास पल था। मेरी आंखों में खुशी के आंसू थे। वहां का माहौल और ऊर्जा शब्दों में बयान नहीं की जा सकती। सुधा ने यह भी बताया कि महाराज के प्रवचन अक्सर उनके मन के सवालों के जवाब दे देते हैं। रात को जो सवाल मन में उठते हैं, अगली सुबह उनके प्रवचन सुनने पर उनके जवाब मिल जाते हैं। सुधा चंद्रन ने कहा कि कई साल पहले हुई एक सड़क दुर्घटना में उन्होंने अपना एक पैर खो दिया था। उस मुसीबत से उबरने में उनका ईश्वर में अटूट विश्वास सबसे बड़ी मदद बना। सुधा ने कहा, दुर्घटना के बाद मैं उबर पाई, तो सिर्फ ईश्वर के विश्वास की वजह से। प्रेमानंद महाराज जी भी यही कहते हैं कि हमेशा नाम जप करते रहो। ईश्वर में जो विश्वास है, वही हर मुश्किल से पार लगाता है। सुधा चंद्रन ने आगे कहा कि जब इंसान का ईश्वर में विश्वास मजबूत होता है, तो दर्द तो रहता है, लेकिन ध्यान दर्द पर नहीं रहता। ध्यान भगवान पर और जिंदगी की बड़ी चीजों पर चला जाता है। इससे इंसान को ताकत मिलती है। उन्होंने कहा, मुश्किलें तो जिंदगी में आती ही रहती हैं, लेकिन भक्ति और समर्पण के आगे वो दर्द बहुत छोटा लगने लगता है। मेरा विश्वास, मेरी मेहनत और खुद पर भरोसा - इन तीनों ने मुझे आगे बढ़ाया। सुधा चंद्रन ने कृत्रिम पैर (प्रोस्थेटिक लिंब) की मदद से अपनी जिंदगी और करियर को फिर से संभाला। वे करीब 40 साल से बॉलीवुड, टेलीविजन और शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में सक्रिय हैं। टीवी शो 'कहीं किसी रोज' में 'रमोला सिकंद' का किरदार आज भी लोगों को याद है।

मैं बेटी को दोनों संस्कृतियों से जोड़कर बड़ा करना चाहती हूंः प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा जोनस एक ग्लोबल स्टार हैं। उन्होंने अमेरिकी गायक निक जोनस से शादी की है। इस जोड़े की एक बेटी है, जिसका नाम मालती है। हाल ही में प्रियंका ने बहुसांस्कृतिक परिवार में बेटी के पालन-पोषण को लेकर अपनी राय पेश की है। उन्होंने अपनी सांस्कृतिक की जड़ों से जुड़े रहने को लेकर अहम बात कही है। वोग अरबिया से बात करते हुए प्रियंका ने बताया कि वह अपनी बेटी मालती को एक बहुसांस्कृतिक परिवार में पाल रही हैं। घर में भारतीय परंपराएं और अमेरिकी संस्कृति दोनों साथ-साथ चलती हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी भारतीय विरासत को बनाए रखते हुए बेटी को दोनों संस्कृतियों से जोड़कर बड़ा करना चाहती हूं। प्रियंका ने कहा, मैं एक अभिनेत्री हूं। मैं अपनी पूरी कोशिश करती हूं कि अपने मंच का इस्तेमाल भारत की संस्कृति को सही तरीके से दिखाने के लिए करूं। मुझे भारत से बहुत प्यार है और खान-पान समेत कई चीजों में मैं पूरी तरह भारतीय हूं। लेकिन हमें यह भी समझना चाहिए कि निक के साथ हमारा परिवार अमेरिकी भी है। हम अमेरिका में रहते हैं। प्रियंका और निक ने दिसंबर 2018 में जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में शादी की थी। शादी में हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाज शामिल थे। इस जोड़े ने जनवरी 2022 में अपनी बेटी मालती का स्वागत किया। प्रियंका ने आगे बताया कि निक जोनस भारत को बहुत प्यार और सम्मान करते हैं। निक हमेशा प्रियंका की पूजा-पाठ और धार्मिक रस्मों में भी शामिल होते हैं। इस जोड़े का मानना है कि होली हो या थैंक्सगिविंग, हर त्योहार को पूरी निष्ठा से मनाना चाहिए। प्रियंका जल्द ही अमेजन प्राइम सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन में नजर आएंगी।

बेटी मालती के पालन-पोषण को लेकर रखी अपनी राय

पांच घंटे ट्रैफिक में फंसे रहना बहुत डरावना अनुभव हैः सोनाली कुलकर्णी

मशहूर अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी को बुधवार रात मुंबई से पुणे जाते समय बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वे मानखुर्द पुल पर भारी ट्रैफिक जाम में फंस गईं और लगातार पांच घंटे से ज्यादा एक ही जगह पर खड़ी रहीं। जिसका एक वीडियो उन्होंने खुद सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। सोनाली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पर इस घटना का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने बताया कि उनके आगे और पीछे दोनों तरफ लंबी-लंबी गाड़ियों की कतारें लगी हुई हैं। कोई गाड़ी आगे या पीछे नहीं जा पा रही है। सोनाली ने इस वीडियो में कहा, नमस्ते, मैं मानखुर्द पुल पर हूं। हमें यहां फंसे हुए पूरे पांच घंटे हो चुके हैं। मैं पुणे जा रही थी। हमने ट्रैफिक पुलिस को फोन किया, लेकिन वे सिर्फ धैर्य रखने को कह रहे हैं। जाम बहुत भयानक है। पता नहीं कब तक यह खुलेंगे। हम न आगे जा सकते हैं और न पीछे। कृपया हमारे लिए प्रार्थना करें। उन्होंने यह भी कहा कि हालात इतनी खराब हैं कि भूख लगने की बात भी नहीं हो रही। उन्होंने माना कि कई लोगों ने इससे भी बुरे हालात देखे होंगे, लेकिन पांच घंटे एक ही जगह पर फंसे रहना बहुत डरावना अनुभव है। सोनाली कुलकर्णी हिंदी और मराठी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2001 में दिल चाहता है फिल्म से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने सिंघम, टैक्सी नंबर 9211 जैसी हिंदी फिल्मों और कई लोकप्रिय मराठी फिल्मों में भी काम किया है।

राशन कार्ड में नहीं जुड़ा नाम तो डीएम ऑफिस में कोबरा लेकर पहुंचा बुजुर्ग

वैसे तो अक्सर सरकारी दफ्तर में लेट लतीफी या लापरवाही के किस्से आपने खूब सुने और देखे होंगे, लेकिन मऊ से एक ऐसा वाक्या सामने आया है, जिसने सबको चौंका दिया है। दरअसल, एक बुजुर्ग किसान का नाम राशन कार्ड से नहीं जुड़ा तो वह नाराज होकर डीएम ऑफिस में कोबरा लेकर पहुंच गया। जानकारी के मुताबिक, जिले का एक किसान सरकारी दफ्तर के चक्कर काटकर इतना परेशान हो गया कि उसने डीएम ऑफिस में कोबरा छोड़ने की योजना बना ली। फिर वह पॉलीथिन में दूध का डब्बा और कोबरा का बच्चा लेकर डीएम ऑफिस पहुंच गया। हालांकि, पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बुजुर्ग किसान के पास से कोबरा का बच्चा बरामद कर लिया है। बुजुर्ग किसान कोतवाली क्षेत्र के पुरानी तहसील का रहने वाला है। उसकी पहचान राधेश्याम मौर्य के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पुलिस चौकी ब्रह्मस्थान के इंचार्ज विवेक राव सूर्यवंशी को बुजुर्ग की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। जिसके बाद उसकी तलाशी ली गई तो यह खुलासा हुआ। बुजुर्ग ने पूर्ति विभाग के एक कर्मचारी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पूछताछ में राधेश्याम ने बताया कि पत्नी की मृत्यु के बाद से पिछले दो सालों से उनका राशन कार्ड नहीं बन पाया। जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय और वरिष्ठ अधिकारियों से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जिसके चलते वह सांप छोड़कर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता था। फिलहाल पुलिस ने कोबरा के बच्चे को नदी किनारे जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया है। इसके साथ ही पुलिस अब पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अजब-गजब | ये हैं दुनियाभर के अजीबो-गरीब कानून

कहीं पत्नी का जन्मदिन भूलना है अपराध तो बच्चे पैदा करने पर है सजा

हर देश में अपना एक कानून होता है जिसे मानना देश के नागरिक का कर्तव्य भी होता है। इसके विपरीत करने पर कानूनी कार्रवाई से गुजरना पड़ता है। बात करें अलग-अलग देश के कानूनी की तो दुनियाभर में कई कानून हैं जिनमें से कुछ बेहद अजीबो-गरीब हैं। हालांकि, कुछ कानून ऐसे भी हैं जिनके बारे में जानकर आपको हंसी भी आए, लेकिन हैरानी तो तब हो सकती है जब समान्य चीज पर किसी के खिलाफ बड़ा एक्शन हो सकता है। कहीं पत्नी का जन्मदिन भूलना जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है तो कहीं बच्चे पैदा करना ही कानूनी गलत है। इतना ही नहीं, कहीं-कहीं तो पक्षियों को दाना डालना भी जुर्म है। आज हम आपको दुनियाभर के अजीबो-गरीब कानून के बारे में बताने जा रहे हैं, आइए विस्तार से जानते हैं। अजीबो-गरीब कानूनों में से एक कबूतरों को खाना खिलाना भी है। सैन फ्रांसिस्को के कानून के मुताबिक सड़कों पर कबूतरों को दाना डालना गैरकानूनी है। अगर कोई सैन फ्रांसिस्को की

सड़कों पर कबूतर या किसी अन्य पक्षी को खाना खिलाता मिलता है तो उसको भारी जुर्माना देना पड़ता है। सूचना मिलने पर वहां की पुलिस सख्त एक्शन उठाती है। आर्कटिक ओशियन के इलाके में स्थित स्वालबार्ड एक नॉर्वे का आइलैंड है। यहां पर बच्चे पैदा करना जुर्म है। इतना ही नहीं, मरना भी नियम और कानून के खिलाफ है। वीजा फ्री इस जगह पर आने वाले हर व्यक्ति के लिए यहां के नियमों का पालन करना जरूरी है। ठंडे मौसम होने के कारण यहां पर लोगों कर मरना कानूनी जुर्म है। दरअसल, अधिक ठंड के कारण यहां मृतक का शव डीकंपोज नहीं हो पाता है। इसके अलावा बच्चे को जन्म देने भी कानून के खिलाफ जाना है। अगर कोई महिला प्रेग्नेंट हो जाती है तो उसे डिलीवरी से पहले आइलैंड को छोड़ना पड़ता है। जापान एक ऐसा देश है जहां कई विचित्र कानून हैं। उन्हीं कानून में से एक पत्नी का जन्मदिन भूल जाना भी शामिल है। अगर पति अपनी पत्नी का बर्थडे भूल जाता है तो पत्नी उसकी शिकायत कर सकती है। ऐसे में 5 साल तक की जेल भी हो सकती है। जापान के अलावा सामोआ में भी इसी तरह का कानून है। पहली बार बर्थडे भूलने पर चेतावनी दी जाती है और फिर अगर ऐसी गलती होती है तो जुर्माने के साथ 5 साल तक की जेल हो सकती है। भारत के केरल में तीसरे बच्चे पर भारी जुर्माना देना पड़ता है। केरल में दो बच्चे करने की अनुमति है, लेकिन अगर इससे ज्यादा किए या तीसरा बच्चा हुआ तो आपको 10 हजार रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से किसी तरह की सरकारी योजना का भी फायदा नहीं दिया जाता है।

पंजाब में विश्वास प्रस्ताव ला सकती है सरकार, विपक्ष का चौतरफा वार

» कांग्रेस का तंज- खुद को आश्वासन देने की कवायद भाजपा और शिअद ने भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में पंजाब सरकार आज मजदूरों को समर्पित विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित कर रही है। आज सरकार बागी सांसदों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव व विरोधियों को अपनी ताकत दिखाने के लिए विश्वास प्रस्ताव ला सकती है। इस दौरान कोई प्रश्नकाल नहीं होगा। इसको लेकर कांग्रेस समेत विपक्ष ने आप सरकार पर निशाना साधा है। वहीं सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस ने तंज कसा। सदन के लिए पहुंचे कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा ने कहा कि आखिर सरकार को विश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरूरत पड़ गई।

जब वे खुद कह रहे हैं कि उनकी सरकार को कोई खतरा नहीं है। ये सिर्फ खुद को आश्वासन देने की कवायद है। आज मनरेगा के संशोधन बिल पर चर्चा की जाएगी वहीं केंद्र को निशाना बनाते हुए मजदूरों के लिए बड़ी घोषणा भी हो सकती है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि यह विशेष सत्र उन मेहनती मजदूरों और कारीगरों को समर्पित होगा, जो देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में अहम योगदान देते हैं। इस ऐतिहासिक पहल के तहत मजदूर संघों के प्रतिनिधियों को सदन में विशेष मेहमान के तौर पर बुलाया जाएगा। इस सत्र में मनरेगा योजना में हुए बदलावों के कामगार वर्ग पर पड़ने वाले असर पर भी चर्चा होगी। सीएम ने कहा, यह सत्र देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में कामगार वर्ग के योगदान को श्रद्धांजलि देगा ।इसके अलावा सत्र के दौरान, विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति द्वारा तय किए गए अन्य जरूरी विधायी काम भी तय प्रक्रियाओं के अनुसार किए जाएंगे।

मजदूरों के साथ ईमानदार नहीं सरकारः वड़िंग

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार मजदूरों के साथ ईमानदार नहीं है। उन्होंने कहा कि लेबर डे पर बुलाया गया विधानसभा का विशेष सत्र सिर्फ ध्यान भटकाने का तरीका है क्योंकि पार्टी को अपने अस्तित्व का खतरा है, खासकर सात राज्यसभा सांसदों के दल बदल के बाद। वड़िंग ने कहा, बार-बार विशेष सत्र बुलाकर जिम्मेदारी से बच रही है, जिससे ऐसे सत्रों की खासियत ही खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के मामले में पंजाब सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य रहा है। पिछले चार साल में मजदूरों को भी योजना का लाभ नहीं मिला और मजदूरों को भी 10 दिन का काम नहीं मिला। सरकार का मकसद मजदूरों के लिए कोई खास कानून बनाना नहीं, बल्कि 7 राज्यसभा सांसदों के दल बदल के बाद पैदा हुए संकट से लोगों का ध्यान हटाना है, जिनमें 6 पंजाब से हैं।

पंजाब भाजपा अलग से सत्र चलाएगी

भाजपा शुक्रवार को पंजाब विधानसभा के सामांतर अपना अलग सत्र जनता दी विधानसभा चलाएगी। यह सत्र चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-37 में आयोजित किया जाएगा। इसमें पंजाब के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। इस सत्र में प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू और पूर्व स्पीकर चरणजीत सिंह अटवाल समेत पूर्व विधायक व सांसद भाग लेंगे। प्रदेश के महासचिव अनिल सरीन ने बताया कि यह कार्यक्रम सरकार द्वारा बुलाई गई पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के समानांतर एक महत्वपूर्ण जन मंच के रूप में आयोजित किया जा रहा है। भाजपा का उद्देश्य राज्य के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य के बीच प्रमुख जन मुद्दों और चिंताओं को प्रमुखता से उठाना है।इस सत्र में स्पीकर के पद की गरिमा, सरकार का जन मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण, कानून व्यवस्था और उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद कर्मचारियों को लंबित महंगाई भत्ता (डीए) न दिए जाने को लेकर भी चिंता इत्यादि मुद्दों पर चर्चा होगी।

ईवीएम कब्जे में लेकर निर्णय को बदलना चाहती है बीजेपीः राउत

» पश्चिम बंगाल चुनाव पर बोले शिवसेना यूबीटी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। चुनाव खत्म होने और नतीजों से पहले सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल के आंकड़ों में बीजेपी को बढ़त मिलने का अनुमान जताया गया है। इस पर अब उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई है। पश्चिम बंगाल चुनाव खत्म होने के बाद भी वहां परसीआरपीएफ की 500 कंपनियां तैनात रहेंगी।

इस पर संजय राउत ने कहा, चुनाव में तो 2.5 लाख पैरा मिलिट्री फोर्स को तो पहले ही लाया है, अगर 700 कंपनियां लाया है तो इसका मतलब ये है कि जो निर्णय ममता दीदी के फेवर में आएगा। सरकार वो मानने को तैयार नहीं है जोर जबरदस्ती से ईवीएम कब्जे में लेकर निर्णय को बदलना चाहती है। मीडिया के सवालों पर संजय राउत ने कहा, कोई उलटफेर नहीं है। पश्चिम बंगाल में ममता दीदी भारी बहुमत से जीत रही हैं, केरल में कांग्रेस के नेतृत्व में जो फ्रंट बना है वो जीत रहा है, तमिलनाडु में एमके स्टालिन की लीडरशिप में डीएमके जीत रही है। असम में कांटे की टक्कर है। पुदुचेरी में कांग्रेस गठबंधन जीत रहा है, यही एग्जिट पोल समझ लीजिए। बता दें कि 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव हुए, पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल और दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को हुआ, 4 मई को आने वाले नतीजों से पहले कई एग्जिट पोल सामने आए हैं, बंगाल में सरकार बनाने के लिए बहुमत का जादुई आंकड़ा 148 है। वहीं शिवसेना यूबीटी ने 12 मई को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा परिषद चुनाव में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे को उम्मीदवार घोषित किया है। इस ऐलान कि बाद महा विकास अघाड़ी में दरारें उभर आई हैं। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारेगी खासकर तब जब शिवसेना यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने 13 मई को उच्च सदन में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद चुनाव से हटने का फैसला किया है।

आरसीबी को हरा जीटी की तालिका में स्थिति मजबूत

» लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने बेंगलुरु को चार विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अरशद खान की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल और जोस बटलर की दमदार बल्लेबाजी के बदौलत गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी के खिलाफ चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। गुरुवार को अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल की 40 रनों की पारी की मदद से 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

गुजरात की यह आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 26वीं जीत है। वहीं, 13 मुकाबलों में टीम को शिकस्त मिली है। इस जीत के साथ शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम की स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो गई है। नौ में से पांच मुकाबले जीत चुकी गुजरात के खाते में 10 अंक के साथ पांचवे स्थान पर हैं। वहीं, आरसीबी तीन मैच हारकर फिलहाल दूसरे पायदान पर मौजूद है। साई सुदर्शन ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीन ओवरों में 42 रन की साझेदारी की। सुदर्शन छह रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि गिल ने 18 गेंदों में 43 रन बनाए। इससे पहले, आरसीबी को जैकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान रजत पाटीदार के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 44 रन की साझेदारी की। फिर वेंकटेश अय्यर ने भुवेश्वर कुमार के साथ नौवें विकेट के लिए 29 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

राजस्थान के खिलाफ खेल सकते हैं मिचेल स्टार्क

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है। टीम को शुक्रवार को आईपीएल मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया। वहीं, दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑलआउट हो गए। दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चिंता उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाजी के मोर्चे पर दिल्ली के लिए कुछ अच्छी खबरें भी हैं। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क एक मई से खेलने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मंजूरी मिलने के बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। लुंगी एनगिडी के उपलब्ध नहीं होने के कारण स्टार्क का टीम में शामिल होना दिल्ली के लिए एक बहुत ही जरूरी और सही समय पर मिला सहारा साबित हो सकता है। राजस्थान के लिए एक और सकारात्मक बात यह है कि धीमी शुरुआत के बाद अब उनका मध्य क्रम भी लय में लौट आया है।

पंजाब की सरकार ने हटाई हरभजन की सिक्योरिटी

» राज्यसभा सांसद पहुंचे हाई कोर्ट की चौखट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने अपनी पुलिस सुरक्षा वापस लेने के पंजाब सरकार के फैसले को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी है। आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने के कुछ ही दिनों बाद हरभजन की सुरक्षा हटा दी गई थी, जिसे उन्होंने अदालत में तत्काल बहाल करने की मांग की है। अपनी याचिका में, उन्होंने राज्य के अधिकारियों से सवाल किया कि उनकी पुलिस सुरक्षा क्यों हटाई गई, और कोर्ट से इसे तत्काल बहाल करने का आदेश देने का अनुरोध किया। 9-10 पुलिसकर्मियों वाली यह पुलिस सुरक्षा शनिवार (25 अप्रैल) को हटा दी गई थी।

यह गौरतलब है कि हरभजन, राघव चड्ढा सहित छह अन्य सांसदों के साथ, हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे। हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर हरभजन की सुरक्षा हटाने के फैसले पर स्पष्टीकरण मांगा है। अपनी याचिका में, सांसद ने अपने आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शनों का हवाला दिया, जहाँ कथित तौर पर दीवारों पर गद्दार शब्द लिखा गया था, और कहा कि ऐसी घटनाओं से उन्हें और उनके परिवार को खतरा है। कोर्ट ने सरकार से उसकी सुरक्षा समीक्षा के आधार पर जवाब देने को कहा है। इस मामले की सुनवाई 12 मई को होनी है।

मतगणना पर कड़ी निगरानी रखें कार्यकर्ता

» सीएम स्टालिन ने डीएमके नेताओं को किया हाई अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कोडाइकनाल से चार दिन की छुट्टी से लौटने के बाद, अगले दिन पार्टी मुख्यालय में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की तथा 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में जीत की संभावनाओं का आकलन किया। यह बैठक विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा चुनाव के बाद जारी सर्वेक्षणों 'एग्जिट पोल' में द्रमुक के फिर से सत्ता में आने के संकेतो के बाद बुलायी गई।

बैठक में द्रमुक महासचिव दुरई मुरुगन, मंत्री एम. आर. के. पनीरसेल्वम और ई. वी. वेलु सहित अन्य नेता शामिल हुए। द्रमुक सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान स्टालिन का ध्यान चार मई को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की मतगणना को लेकर रणनीति को अंतिम रूप देने और मतगणना प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहने वाले पार्टी के बूथ एजेंटों को निर्देश देने पर केंद्रित रहा। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया के दौरान सतर्कता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को हुए थे और मतों की गिनती चार मई को सुबह आठ बजे से शुरू होगी।

विजय का निर्देश- रिजल्ट आने तक एक इंच भी न हिलें, मतगणना केंद्र पर पहुंचें

टीवीके उम्मीदवार एन मैरी विल्सन ने बताया कि पार्टी प्रमुख विजय ने एक बैठक में उम्मीदवारों को मतगणना केंद्रों पर जल्दी पहुंचने और वहीं डटे रहने का निर्देश दिया.मीडिया से बात करते हुए आर के नगर की उम्मीदवार ने कहा कि विजय ने उन्हें सुबह 6 बजे तक मतगणना केंद्रों पर मौजूद रहने, आगे खड़े रहने, कार्यवाही पर कड़ी नजर रखने और एक इंच भी न हिलने का निर्देश दिया है।

नेताओं की परिक्रमा छोड़कर जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करें : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष की दो टूक- गुटबाजी में न फंसें जिला अध्यक्ष, लोस सांसद ने दिए चुनावी जीत के गुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं चुनावी गुर सिखाए। उन्होंने कांग्रेस जिला अध्यक्षों के कांगड़ा में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन पर संगठन को लेकर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष नेताओं की परिक्रमा छोड़कर जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करें।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार, पार्टी प्रभारी रजनी पाटिल सहित अन्य बड़े नेताओं की मौजूदगी में राहुल ने कहा कि जिला अध्यक्ष केवल रिपोर्ट न दें, बल्कि सही-गलत का निष्पक्ष आकलन कर आलाकमान को वास्तविक स्थिति बताएं। उन्होंने हिमाचल कांग्रेस में गुटबाजी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि किसी गुट विशेष से जुड़ने के बजाय जनता के मुद्दों पर काम करना जरूरी है। राहुल ने स्पष्ट किया कि केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रमों से काम नहीं चलेगा, बल्कि दलित, गरीब और महिलाओं के मुद्दों पर सड़कों पर उतरकर संघर्ष करना होगा। राहुल ने हर चुनाव के बाद आत्ममंथन करने की जरूरत बताई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन कुछ जिला अध्यक्षों के परिवार भी कार्यक्रम में पहुंचे थे। राहुल गांधी ने उनसे भी मुलाकात की।

जिला अध्यक्षों को मिलेगी फैसले लेने की खुली छूट, बेहतर प्रदर्शन पर इनाम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वीरवार को कांगड़ा शहर के समीप गुप्ता गंगा के यात्री सदन में तीन राज्यों के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर और कार्यशाला में जोश भरा। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए जिला अध्यक्षों को स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने का अधिकार दिया जाएगा। जो जिला अध्यक्ष बेहतर प्रदर्शन करेंगे, उन्हें पार्टी में बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। बूथ स्तर पर काम करने वाले ईमानदार और मेहनती कार्यकर्ताओं को भी उचित सम्मान और अवसर मिलेगा

जिला अध्यक्षों को जज की तरह निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए

उन्होंने कहा कि जिला संगठन के विभिन्न पदों पर नियुक्तियां जिला अध्यक्ष अपने विवेक से करें। जिला अध्यक्षों को जज की तरह निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए, न कि वकील की तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। पार्टी की मजबूती का आधार मजबूत बूथ हैं। इसके लिए जरूरी है कि सच्चे और समर्पित कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें जिम्मेदारी दी जाए। जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसका संगठन और बूथ स्तर पर काम करने वाला सच्चा कार्यकर्ता है।

मन से डर खत्म कर आत्मविश्वास जगाएं

राहुल ने कहा कि कार्यकर्ता अपने मन से डर खत्म कर आत्मविश्वास जगाएं। तनावमुक्त रहकर धरातल पर पहुंचकर आम आदमी की आवाज बनें, लेकिन इससे पहले उन्हें आत्मविश्वास जगाना होगा। हिमाचल, पंजाब और जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों से संवाद करते हुए राहुल गांधी ने संगठन से जुड़े सवाल पूछे और सुझाव मांगे। सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक चली कार्यशाला में राहुल गांधी ने संगठन को नई धार देने में कोई कमी नहीं छोड़ी।

एक बार फिर चढ़ेगा प्रदेश का तापमान

» चार मई के बाद हल्की से मध्यम बारिश के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूरब से लेकर पश्चिम तक गुरुवार देर शाम अचानक मौसम बदला, जिससे राजधानी समेत करीब 40 जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। तेज हवा चलने और हल्की बरसात से न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान में 10 से 12 डिग्री सेल्सियस तक कमी हुई।

शनिवार से तापमान में फिर बढ़ोतरी शुरू होगी और इसका असर सोमवार तक रहेगा, लेकिन चार मई से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से दोबारा हल्की बारिश के आसार हैं। पांच मई को भी तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार से सोमवार तक अधिकतम तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है। इससे पहले गुरुवार को आंधी-बारिश के असर से अयोध्या, वाराणसी, कानपुर, बलिया और गाजीपुर समेत कई जिलों में दिन का तापमान घटकर 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ गया। लखनऊ का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। हालांकि, इसके विपरीत उरई 43.6 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा। अयोध्या में 19.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडी रात रही। अमेठी में तापमान सामान्य से करीब 9.9 डिग्री नीचे पहुंच गया। बाराबंकी और गाजियाबाद में कई जगह ओले भी गिरे। शुक्रवार को देर रात तक पूर्वी से पश्चिमी यूपी के 35 से अधिक जिलों में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। कई जिलों में ओलावृष्टि की भी चेतावनी है।

बरगी डैम में बड़ा हादसा, नौ मृतकों के शव बरामद, छह की तलाश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जबलपुर। जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज बोट पलटने से नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि 28 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। छह लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। सुबह मां के सीने से चिपके मासूम के शव ने लोगों को झकझोरकर रख दिया है। यह दृश्य देख लोगों की आंखें भर आई हैं। लेकिन मां की ममता ने आखिरी दम तक बेटे को नहीं छोड़ा।

वहीं, राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया है। शुक्रवार को बचाव दल ने तीन और शव बरामद किए हैं। राज्य के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि अभी भी कुछ पर्यटक लापता हैं और उन्हें तलाशने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज़ी से जारी है। उन्होंने कहा कि बचाव कार्य पूरा होने के बाद हादसे की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ताजा अपडेट के मुताबिक इस हादसे में नौ लोगों के शव मिल चुके हैं। जबकि 28 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं, छह लोग अब भी लापता हैं। आज सुबह मिली जानकारी के अनुसार, क्रूज में कुल 43 लोग सवार थे।

28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया

अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार शाम अचानक आए तेज तूफान के चलते बरगी डैम में एक क्रूज बोट पलट गई थी। नाव में 43 लोग सवार थे। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह डैम नर्मदा नदी पर बना हुआ है। लापता लोगों की तलाश के लिए सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रातभर सर्च ऑपरेशन में जुटी रहीं। राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि क्रूज बोट को पानी से बाहर निकालने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

» असम के सीएम की पत्नी द्वारा दर्ज केस में अदालत ने दी अग्रिम जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी कानूनी जीत मिली है। शीर्ष अदालत ने असम पुलिस द्वारा दर्ज आपराधिक मानहानि और जालसाजी के मामले में खेड़ा को गिरफ्तारी से पहले जमानत (अग्रिम जमानत) दे दी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत से संबंधित है।

सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने कहा कि खेड़ा और शिकायतकर्ता के पति, दोनों की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित है, को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

खेड़ा को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस स्तर पर, हम इस बात से अवगत हैं कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता को हल्के में खतरे में नहीं डाला जा सकता। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चांदुरकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई तब की, जब गुवाहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर खेड़ा को गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए। यह जमानत उन उचित शर्तों और नियमों के अधीन होगी, जिन्हें जांच अधिकारी सही समझेंगे। पिछले हफ्ते, सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उस समय खेड़ा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने यह दलील दी थी कि उनके मुवक्किल के भाग जाने का कोई खतरा नहीं है और न ही वे जांच में सहयोग करने से पीछे हट रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा, हिरासत में लेकर पूछताछ करके किसी को अपमानित करना क्यों ज़रूरी है? उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह मामला महज मानहानि का है।

जांच में सहयोग करें : कोर्ट

कोर्ट ने खेड़ा को यह भी निर्देश दिया कि वे जांच में सहयोग करें और जब भी ज़रूरत हो, पुलिस के सामने पेश हों। उनसे यह भी कहा गया है कि वे जांच या ट्रायल के दौरान सबूतों को प्रभावित करने या उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश न करें, और सक्षम कोर्ट की पहले से अनुमति लिए बिना देश छोड़कर न जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट को यह अधिकार है कि अगर उसे ज़रूरी लगे, तो ट्रायल के दौरान वह कोई भी अतिरिक्त शर्तें लगा सकता है। यह मामला खेड़ा के उन आरोपों से जुड़ा है, जिनमें उन्होंने कहा था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनके वित्तीय हित हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव जल्द खत्म होने का दावा गलत : बघाई

» विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पाकिस्तान की तारीफ की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के जल्द होने के आसार कम नज र आ रहे हैं। दरअसल तेहरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत से तुरंत नतीजों की उम्मीद न करें।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने हाल ही में एक सरकारी टीवी इंटरव्यू के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को खत्म करने की कोशिशों को लेकर चल रही बातचीत पर रुख साफ किया है। बघाई ने खुले तौर पर चेतावनी दी है कि अमेरिका के साथ चल रही मौजूदा बातचीत से तुरंत या तेजी से किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करना उचित नहीं है, उनका यह बयान उन अटकलों पर विराम लगाता है, जिनमें जल्द ही किसी बड़े समझौते या तनाव कम होने के दावे किए जा रहे थे।

उन्होंने ईरान ने इस कूटनीतिक प्रयास में पाकिस्तान की भूमिका पर भरोसा जताया है. बघाई ने कहा कि पाकिस्तान एक भरोसेमंद मध्यस्थ के रूप में बना रहेगा. उन्होंने पाकिस्तानी प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा, पाकिस्तान ने अब तक अच्छा काम किया है और इस मुश्किल बातचीत को संभालने की बेहतरीन क्षमता दिखाई है।

अमेरिकी नेताओं के ट्वीट या बयानों को बहुत ज्यादा गंभीरता से न लें

बघाई ने सोशल मीडिया और प्रेस के जरिए आने वाले अमेरिकी बयानों को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अमेरिकी नेताओं के ट्वीट या बयानों को बहुत ज्यादा गंभीरता से न लें और न ही उनका बढ़ा-चढ़ाकर कोई गहरा मतलब निकालें। उनके बयानों को तुरंत सही नहीं मान लेना चाहिए। जरूरी नहीं कि वह सच हो या वह उनकी असली नीति हो।

अमेरिका-इजरायल के वादों पर भरोसा नहीं

अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ईरान के अविश्वास को दोहराते हुए बघाई ने कहा कि ये दोनों देश वादे तोड़ने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान को किसी लिखित समझौते या अमेरिका-इजरायल के वादों पर भरोसा नहीं है, उसे लगता है कि असली सुरक्षा केवल उसकी अपनी सेना और हथियारों की ताकत से ही मिल सकती है।

स्थायी शांति ईरान का लक्ष्य

बघाई ने साफ किया कि ईरान का लक्ष्य केवल बातचीत करना नहीं, बल्कि उस स्थिति तक पहुंचना है, जहां युद्ध का खतरा पूरी तरह खत्म हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि तेहरान किसी भी दबाव में आकर कोई जल्दबाजी या भरोसा नहीं करेगा। हमारा फोकस है कि बातचीत की गति और दिशा उसके अपने कंट्रोल में रहे।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष** : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**